मत ढूंढ सहारो काऊ को चिंता तज माला झोली की

मत ढूंढ सहारो काऊ को,
चिंता तज माला झोली की।bd।

वृषभानु नंदनी सहज सुलभ,
जय जय राधे रस भोरी की,
मत ढूंढ सहारों काऊ को,
चिंता तज माला झोली की।bd।

करुणामयी दीन पुकार सुने,
रक्षक है जीवन डोरी की,
मत ढूंढ सहारों काऊ को,
चिंता तज माला झोली की।bd।

खुद बाह पकड़ के श्याम चले,
जिनपे हो कृपा किशोरी की,
मत ढूंढ सहारों काऊ को,
चिंता तज माला झोली की।bd।

मत ढूंढ सहारो काऊ को,
चिंता तज माला झोली की।bd।

गायक – राजीव शास्त्री जी।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com